



# Sarthak Katyan

29 Nov 2020

01:30 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121307504

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 28-29/11/2020  
दिन \_\_\_\_\_: शनि-रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 01:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 46:30:35 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Faridabad  
राज्य \_\_\_\_\_: Haryana  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:24:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:18:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:20:48 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 01:09:12 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:11:58 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:41:55 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:53:45 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:24:02 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:30:17 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: हेमन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 12:54:27 वृश्चिक  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 01:51:35 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: भरणी - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शुक्र  
योग \_\_\_\_\_: परिघ  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: गज  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: लो-लोकेश  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: धनु

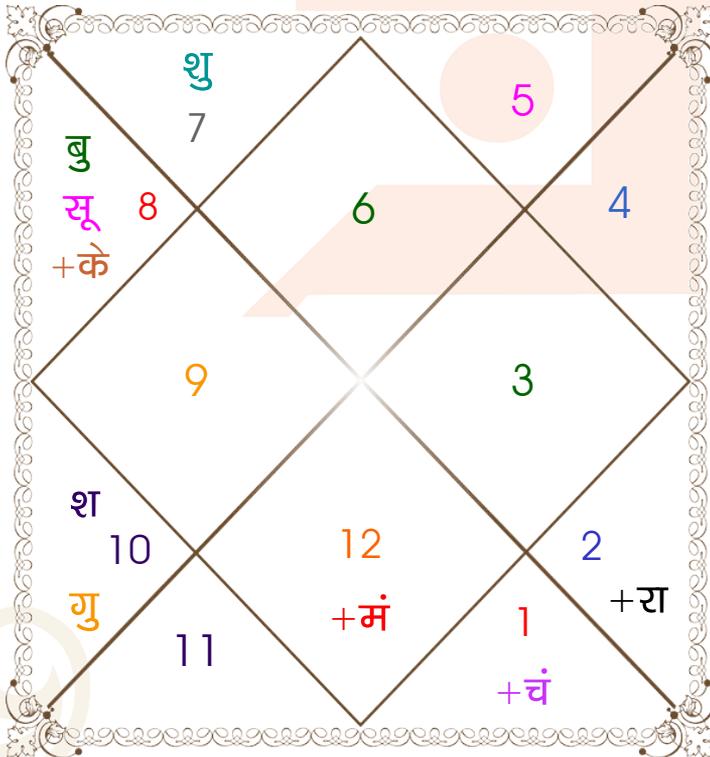
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:51:35	318:37:04	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	12:54:27	01:00:45	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	25:46:03	11:54:40	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	22:29:24	00:10:55	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	01:11:35	01:33:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
गुरु			मक	01:34:54	00:11:34	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शुक्र			तुला	14:52:14	01:14:28	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			मक	04:04:00	00:05:19	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृष	25:46:43	00:01:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	25:46:43	00:01:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	13:26:43	00:02:03	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	24:01:07	00:00:00	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			धनु	29:04:09	00:01:30	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	01:42:05	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

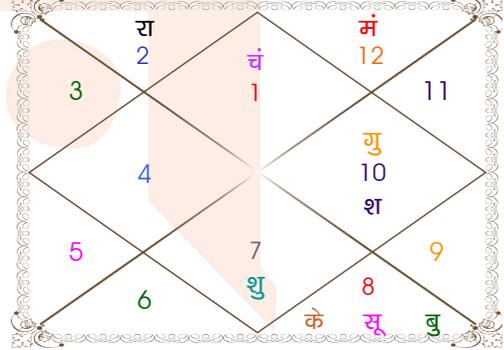
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:39

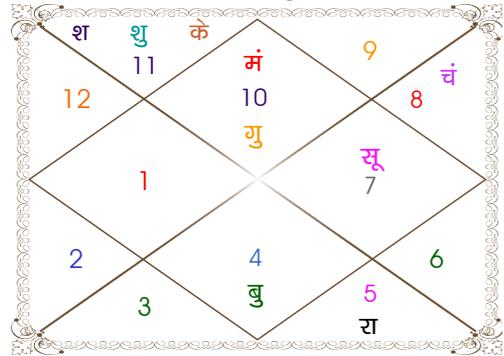
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 4 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
29/11/2020	05/04/2022	05/04/2028	05/04/2038	05/04/2045
05/04/2022	05/04/2028	05/04/2038	05/04/2045	05/04/2063
00/00/0000	सूर्य 24/07/2022	चंद्र 03/02/2029	मंगल 01/09/2038	राहु 17/12/2047
00/00/0000	चंद्र 22/01/2023	मंगल 04/09/2029	राहु 20/09/2039	गुरु 12/05/2050
00/00/0000	मंगल 30/05/2023	राहु 06/03/2031	गुरु 26/08/2040	शनि 18/03/2053
00/00/0000	राहु 23/04/2024	गुरु 05/07/2032	शनि 05/10/2041	बुध 05/10/2055
00/00/0000	गुरु 09/02/2025	शनि 03/02/2034	बुध 02/10/2042	केतु 23/10/2056
00/00/0000	शनि 22/01/2026	बुध 06/07/2035	केतु 28/02/2043	शुक्र 23/10/2059
29/11/2020	बुध 29/11/2026	केतु 04/02/2036	शुक्र 29/04/2044	सूर्य 16/09/2060
बुध 03/02/2021	केतु 05/04/2027	शुक्र 05/10/2037	सूर्य 04/09/2044	चंद्र 18/03/2062
केतु 05/04/2022	शुक्र 05/04/2028	सूर्य 05/04/2038	चंद्र 05/04/2045	मंगल 05/04/2063

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
05/04/2063	05/04/2079	05/04/2098	06/04/2115	06/04/2122
05/04/2079	05/04/2098	06/04/2115	06/04/2122	00/00/0000
गुरु 24/05/2065	शनि 08/04/2082	बुध 02/09/2100	केतु 03/09/2115	शुक्र 06/08/2125
शनि 05/12/2067	बुध 16/12/2084	केतु 30/08/2101	शुक्र 02/11/2116	सूर्य 06/08/2126
बुध 12/03/2070	केतु 25/01/2086	शुक्र 30/06/2104	सूर्य 10/03/2117	चंद्र 06/04/2128
केतु 16/02/2071	शुक्र 27/03/2089	सूर्य 06/05/2105	चंद्र 09/10/2117	मंगल 06/06/2129
शुक्र 17/10/2073	सूर्य 09/03/2090	चंद्र 06/10/2106	मंगल 07/03/2118	राहु 06/06/2132
सूर्य 05/08/2074	चंद्र 08/10/2091	मंगल 03/10/2107	राहु 25/03/2119	गुरु 05/02/2135
चंद्र 05/12/2075	मंगल 16/11/2092	राहु 21/04/2110	गुरु 29/02/2120	शनि 06/04/2138
मंगल 10/11/2076	राहु 23/09/2095	गुरु 27/07/2112	शनि 09/04/2121	बुध 30/11/2140
राहु 05/04/2079	गुरु 05/04/2098	शनि 06/04/2115	बुध 06/04/2122	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोत्तम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते हैं कि आपकी छोटी से महत्वाकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरुत्साहित नहीं हैं। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरुष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता है। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृत्ति के अहंकार से युक्त पुरुष हैं। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृत्ति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्त रोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।